* कृषि *

* राज्य की 62/65% जनसंख्या कृषि जबकि 75% जनसंख्या कृषि व पशुपालन कार्यों में संलग्न है।

* मानसून की अनियमितता के कारण राजस्थान की कृषि को व "मानसून का जुंआ" कहा जाता है।

* राज्य में कृषि योग्य क्षेत्र का लगभग 65% भूभाग ($\frac{2}{3}$ भाग) खरीफ की मौसम में बोया जाता है।

* कृषि के प्रकार *

I[st] भूमि की उपलब्धता के आधार पर :→

1. गहन कृषि → जिन क्षेत्रों में जनसंख्या का दबाव अधिक व कृषि योग्य क्षेत्रफल कम होता है वहाँ यह कृषि की जाती है उन क्षेत्रों में यह कृषि प्रचलित है।

जैसे → भारत विश्व का 2.4% भू-भाग है जबकि यहाँ विश्व की 17.5% जनसंख्या निवास करती है। अतः भारत में यह कृषि प्रचलित है।

2. विस्तृत कृषि → जहाँ जनसंख्या का दबाव कम व कृषि योग्य क्षेत्रफल अधिक होता उन क्षेत्रों में यह कृषि प्रचलित है।

जैसे → राजस्थान भारत का 10.41% भू-भाग है जबकि यहाँ भारत की 5.6% जनसंख्या निवास करती है अतः राजस्थान में यह कृषि प्रचलित है। (मुख्यतः पश्चिमी राजस्थान)

II उद्देश्य के आधार पर →

(A) जीवन निर्वाह कृषि → किसान अपने छोटे खेत पर परम्परागत तौर तरीको से परिवार के पालन - पोषण करने के लिए कृषि करता है अत: इस कृषि को पारंपरिक कृषि भी कहा जाता है।

(B) आदिम जीवन निर्वाह कृषि → यह कृषि आदिवासियों द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में सर्वाधिक की जाती है।

* एक स्थान पर भूमि की उपजाऊपन क्षमता नष्ट होने पर अन्यत्र पहाड़ी क्षेत्रों के वनों को साफ कर यह कृषि की जाती है अत: इसे स्थानान्तरित कृषि कहा जाता है।

* इस कृषि को उत्तर-पूर्वी भारत में झूमिंग जबकि राजस्थान में वालरा, दाजिया, चिमाता आदि नामों से जाना जाता है।

* गरासिया जनजाति द्वारा की जाने वाली झूमिंग कृषि को वालरा जबकि भीलों द्वारा की जाने वाली झूमिंग कृषि को पहाड़ी क्षेत्रों में चिमाता व मैदानी क्षेत्रों में दाजिया कहा जाता है।

* यह कृषि राज्य के दक्षिण व दक्षिण-पश्चिमी पहाड़ी - आदिवासी क्षेत्रों में सर्वाधिक प्रचलित है।

(C) मिश्रित कृषि → कृषि + पशुपालन

(D) समोच्चय कृषि → पहाड़ी क्षेत्रों पर की जाने वाली सीढ़ीनुमा कृषि जिसमें बागवानी फसलों की प्रधानता होती है।
जैसे → चाय, कहवा, फूलों की बागवानी आदि।

(E) विशेषीकृत कृषियाँ →

(i) सैरी कल्चर → शहतूत व अर्जुन के पेड़ों पर रेशम कीट पालन कर रेशम उत्पादित किया जाता है।

(ii) एपीकल्चर → मधुमक्खी पालन कर शहद उत्पादन किया जाता है।

(iii) फ्लोरीकल्चर → फूलों से संबंधित बागवानी है।

(iv) हार्टी कल्चर → फल उत्पादन से संबंधित है।

(v) फिशरी कल्चर → मछली उत्पादन से संबंधित है।

(vi) विटीकल्चर → अंगूर की बेलों के उत्पादन से संबंधित है।

(vii) वर्मीकल्चर → केंचुए से बनाई जाने वाली खाद के उद्योगों से संबंधित है।

III जल की उपलब्धता के आधार पर

(A) शुष्क कृषि → जिन क्षेत्रों में वर्षा 40/50cm से कम होती है। उन क्षेत्रों में यह कृषि प्रचलित है।
* यह कृषि अरावली के पश्चिमी भाग में सर्वाधिक प्रचलित

है। (ज्वार, बाजरा)

(B) सिंचित कृषि → वे कृषि फसले जिनमे सिंचाई की आवश्यकता ज्यादा होती है।
जैसे → गेहूं, गन्ना, कपास आदि।

(C) तर कृषि → वे कृषि फसले जिनमे वर्ष भर पानी की आवश्यकता होती है।
जैसे → चावल, सिंघाड़ा, जूट, पान (नागर बेल का) आदि।

IV फसल प्रारूप के आधार पर →

(A) मोनो कल्चर → (एक फसली कृषि) एक वर्ष में एक खेत से के एक फसल प्राप्त करना।
* यह कृषि पश्चिमी राजस्थान में सर्वाधिक प्रचलित है। (90%)

(B) ड्युओ कल्चर → वर्ष में दो फसले प्राप्त करना।
जैसे → खरीफ और रबी।

(C) ओलिगो कल्चर → एक वर्ष में तीन फसले प्राप्त करना।
(इसे बहुफसली कृषि भी कहते है)
जैसे → खरीफ, रबी और जायद।

(D) रिले क्रॉपिंग कृषि → एक वर्ष में चार फसले प्राप्त करना। (65%) भाग बोया जाता है।

1. खरीफ की फसल →
बुवाई – जून - जुलाई
कटाई – अक्टूबर - नवम्बर

प्रमुख फसलें → चावल, सोयाबीन, उड़द, मक्का, मूंग, तिल्ली चवँला, मोठ, अरण्डी, मूंगफली, ज्वार, बाजरा, कपास, गन्ना, ग्वार, अरहर आदि।

2. रबी की फसल →
बुवाई → अक्टूबर - नवम्बर
कटाई → मार्च - अप्रैल

प्रमुख फसले → गेहूँ, जौ, सरसो, चना, अलसी, धनिया, जीरा, मसूर, मटर, मैथी, पालक, तारामीरा आदि। (NCERT = सूरजमुखी जायद में जबकि रबी की फसल है)
ईसबगोल, (घोड़ा जीरा)

3. जायद की फसल →
बुवाई → मार्च - अप्रैल
कटाई → मई - जून

प्रमुख फसले → ककड़ी, खरबूजा, तरबूज, पशुओ का चारा, सब्जियां आदि।

जालौर – 40% ईसबगोल उत्पादन

★ राजस्थान में सबसे भयंकर अकाल "छप्पनिये का काल" वि.स 1956 (1899 ई.) में पड़ा।

★ राज्य में बायोडीजल के लिए जेट्रोफा (रतनजोत) पौधे की कृषि की जाती है।

* प्रमुख फसल | क्षेत्रफल | उत्पादन *

फसल	क्षेत्रफल	उत्पादन
मक्का	उदयपुर	उदयपुर
बाजरा	बाड़मेर	जयपुर
ज्वार	अजमेर	अजमेर
चावल	बाँसवाड़ा	हनुमानगढ़
गेहूँ	श्री गंगानगर	श्री गंगानगर
जौ	जयपुर	जयपुर
मोठ	बाड़मेर	बाड़मेर
मसूर	झालावाड़	बूंदी
मूंगफली	बीकानेर	बीकानेर
सरसों	टोंक	टोंक
तारामीरा	नागौर	नागौर
सोयाबीन	बाराँ	बाराँ
गन्ना	गंगानगर	चित्तौड़
कपास	हनुमानगढ़	हनुमानगढ़
जीरा	बाड़मेर	जोधपुर
धनिया	झालावाड़	बाराँ
मेथी	बीकानेर	बीकानेर

Date
21/8/2019

* हरित क्रांति :→

* विश्व में हरित क्रांति के जनक → डॉ नारमन बोरलॉग
* भारत में हरित क्रांति के जनक → M.S स्वामीनाथन

क्रांति		संबंध
इन्द्रधनुष क्रांति	-	कृषि व संबंधित क्षेत्र (स्वामीनाथन- 2006) प्रथम
ऑपरेशन फ्लड / श्वेत क्रान्ति	-	दुग्ध उत्पादन (जनक- वर्गीज कुरियन)
हरित क्रान्ति	-	फसल उत्पादन / खाद्यान्न उत्पादन
पीली क्रान्ति	-	सरसों / तिलहन उत्पादन
लाल क्रान्ति	-	टमाटर / मांस उत्पादन
नीली क्रान्ति	-	मछली उत्पादन
भूरी क्रांति	-	खाद्यान्न प्रसंस्करण / उर्वरक
गोल क्रांति	-	आलू उत्पादन
गुलाबी क्रांति	-	झींगा मछली उत्पादन
सुनहरी क्रांति	-	बागवानी
सेफ्रोन क्रांति	-	केसर उत्पादन
परनामी क्रांति	-	भिंडी उत्पादन
ग्रीन गोल्ड क्रांति	-	चाय उत्पादन

अन्य क्रांतियाँ →

खाकी क्रांति	-	चमड़ा उत्पादन
अमृत क्रांति	-	नदीजोड़ो परियोजना
हरित सोना क्रांति	-	बाँस उत्पादन
N.H क्रांति	-	स्वर्णिम चतुर्भुज योजना
स्लेटी / ग्रे क्रांति	-	उर्वरक उत्पादन
धूसर क्रांति	-	सीमेंट उत्पादन
इन्द्रधनुष क्रांति	-	सभी क्रांतियों पर निगरानी हेतु
बादामी क्रांति	-	मसाला उत्पादन

* प्रमुख कृषि मंडियाँ →

मंडी		स्थान
जीरा मंडी	-	मेड़ता (नागौर), जोधपुर
संतरा मंडी	-	भवानी मंडी (झालावाड़)
प्याज मंडी	-	अलवर

किन्नू / माल्टा मंडी - श्रीगंगानगर
अमरूद मंडी - सवाई माधोपुर
ईसबगोल मंडी - भीनमाल (जालोर)
सरसो मंडी - सुमेरपुर पाली
मूंगफली मंडी - बीकानेर
धनिया मंडी - रामगंजमंडी (कोटा)
अश्वगंधा मंडी - झालरापाटन (झालावाड़)
मेंहदी मंडी - सोजत पाली
आंवला मंडी - चौमू (जयपुर)
मिर्च मंडी - टोंक
मटर मंडी - बस्सी (जयपुर) बूंदी
टिण्डा मंडी - शाहपुरा (जयपुर)
(पौधा) सोनामुखी मंडी - सोजत (पाली)

* अन्य महत्वपूर्ण तथ्य →

⇒ CAZRI → सेन्ट्रल एरिड जॉन रिसर्च इंस्टीट्यूट - 1959
केन्द्रीय शुष्क अनुसंधान संस्थान केन्द्र - जोधपुर

* काजरी के वैज्ञानिको द्वारा होहोबा / जोजोबा नामक पौधा इजराइल से भारत मे लाया गया। यह उष्णकटिबंधीय जलवायु का पौधा है। जिसके राज्य में 2 कृषि फार्म स्थापित किये गये है →
1. फतेहपुर (सीकर)
2. ढण्ड (जयपुर)

* वैज्ञानिक नाम → साईमण्डेकीया चाईनेन्सिस (होहोबा-जोजोबा)
* उपनाम → पीला सोना

* इसके तेल की गुणवत्ता व्हेल मछली के तेल के समान होती है। जिसका उपयोग लुब्रीकेंट (चिकनाई), वायु-यान ईंधन

व सौन्दर्यप्रसाधन सामग्रीयो में किया जाता है।

* AFRI → एरिड फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (जोधपुर)
  शुष्क वन अनुसंधान केन्द्र 1981/85

* राष्ट्रीय सरसो अनुसंधान केन्द्र → सेवर (भरतपुर)
  स्थापना → 20 अक्टुबर 1993

* राज्य का सबसे बड़ा केन्द्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र → दुर्गापुरा (जयपुर)
  जबकि एशिया का सबसे बड़ा कृषि केन्द्र →
  15 अगस्त 1956 रूस के सहयोग से सूरतगढ़ श्रीगंगानगर में स्थापित किया गया है।

* राज्य का प्रथम कृषि विज्ञान केन्द्र → 1974 ई. फतेहपुर (सीकर) में स्थापित किया गया।

* राष्ट्रीय बीजिय मसाला अनुसंधान केन्द्र व चारा अनुसंधान केन्द्र → तबीजी (अजमेर) में स्थापित है।

* राज्य की पहली नीजि क्षेत्र में स्थापित कृषि मंडी → कैथुन (कोटा) में स्थापित की गई। (ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से)

* राज्य में सर्वाधिक बोया गया क्षेत्रफल → बाड़मेर
  जबकि सबसे कम क्षेत्रफल → राजसमंद में है।

* राज्य में सर्वाधिक व्यर्थ व बंजर भूमि → जैसलमेर में है।

* सर्वाधिक सिंचित क्षेत्रफल श्रीगंगानगर जबकि न्यूनतम क्षेत्रफल

देश का प्रथम सौर ऊर्जा-चालित रेलवे स्टेशन – गुवाहाटी (असम)
मई 2018 – 700 KW.

चुरू में है।

★ राजस्थान राज्य बाजरे के क्षेत्रफल व उत्पादन दोनों में प्रथम स्थान पर है। राज्य में कृषि के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्रफल बाजरे का है।

★ राजस्थान राज्य बीजीय मसाला उत्पादन की दृष्टि से देश में प्रथम स्थान पर है।
राज्य में लगभग 50% – धनिया, 60% – जीरा, 47% – मैथी व 16% – सौंफ का उत्पादन होता है।

★ राज्य में सर्वाधिक फलों का उत्पादन → श्रीगंगानगर जबकि सर्वाधिक मसालों का उत्पादन → बारां में होता है।

★ अफीम का सर्वाधिक उत्पादन → चित्तौड़ जबकि समस्त मादक पदार्थों के उत्पादन में अलवर प्रथम स्थान पर है। अतः अलवर को "राजस्थान का स्कॉटलैण्ड" कहा जाता है।

★ → राज्य के किसानों व व्यापारियों को फल, सब्जियों के वास्तविक व्यापार में सक्षम बनाने के लिए राज्य का पहला टर्मिनल मार्केट मुहाना जयपुर में स्थापित किया गया है।

★ राज्य का पहला कृषि रेडियो स्टेशन → भीलवाड़ा में स्थापित है जहाँ से प्रतिदिन दो घण्टे कृषि से संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है।

★ राजस्थान राज्य भण्डारण निगम लिमिटेड की स्थापना 1957 जबकि राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड की स्थापना – 1974 में की गई।
(जयपुर)

★ राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ लिमिटेड → RAJFED की स्थापना 1957 में की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को उचित मूल्य पर विभिन्न उन्नत कृषि बीज उपलब्ध करवाना है।

★ गेहूं, जौ, चने के मिश्रण को गोचनी / बेझड़ कहा जाता है।

★ गेहूँ, मक्का, सोयाबीन मिश्रित आटे को डाण्ड्या मिक्स कहा जाता है।

★ ग्वार निर्यात जोन → में राज्य के 5 जिलों को सम्मिलित किया गया है → जोधपुर, पाली, बाड़मेर, बीकानेर व श्रीगंगानगर।

★ सोयाबीन, दलहन व तिलहन दोनों गुणों से युक्त फसल है। जिसमें प्रोटीन की मात्रा सर्वाधिक मिलती है।

★ राष्ट्रीय बागवानी मिशन → केन्द्र व राज्य सरकार के सहयोग से (2005) राज्य के 24 जिलों में संचालित है।

★ राष्ट्रीय बम्बू मिशन → बाँस की खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य के 12 जिलों में (2006-7) संचालित है →

1. बांसवाड़ा
2. बारां
3. चित्तौड़
4. राजसमंद
5. प्रतापगढ़
6. भीलवाड़ा
7. डूंगरपुर
8. झालावाड़
9. करौली
10. सवाईमाधोपुर
11. सिरोही
12. उदयपुर

देश का पहला हथियार संग्रहालय – चांदीपुर (उड़ीसा)
मुख्य – विजयंता टैंक

* कपास को 'सफेद सोना' व ग्रामीण भाषा में 'बणिया' कहा जाता है जिसका उत्पादन गांठों में गिना जाता है।

* राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना के तहत रबी की 9 फसले जबकि खरीफ की 11 फसलों को सुरक्षा प्रदान की गई है।

* मक्का का पौधा खरीफ काल में सर्वाधिक विकसित होता है जिसकी पत्तियों से बनाया जाने वाला चारा साइलेज कहलाता है।

* ईसबगोल एक औषधीय पौधा है जिसे स्थानिय भाषा में घोड़ा जीरा कहा जाता है।

ईसबगोल अनुसंधान केन्द्र → मंडोर (जोधपुर)
जबकि कारखाना → आबू रोड (सिरोही)
में स्थापित है।

* वर्षा बीमा योजना सन् 2004 से संचालित है जो राज्य के हाड़ौती क्षेत्र में लागु की गई है।

* तारामीरा के तेल का उपयोग साबुन बनाने में किया जाता है।

* ताऊसर (नागौर) की पानमेथी (खुशबु वाली मेथी) प्रसिद्ध है।

* गीलुण्ड (राजसमंद) की लालसुर्ख मेहंदी प्रसिद्ध है।

* अफीम को काला सोना तथा बाजरे को राजस्थान

मूंग - नागौर "हरिया"

तारामीरा - मावठ में बिरोषतः बोई जाती है।

रबी की एक दलहन फसल - मसूर

REET 2011 → सोयाबीन - बारां → झालावाड़, कोटा मुख्य उत्पादक

मूंगफली उत्पादन → लूणकरणसर (बीकानेर) "राजस्थान का राजकोट"

हरी मैथी - नागौर प्रसिद्ध है।

Date 22/8/2019.

का गौरव कहा जाता है।

★ ज्वार को गरीब की रोटी जबकि यूरोप में इसे सौरगम कहा जाता है।

★ जौ का उपयोग शराब व मधुमेह रोग में किया जाता है।

★ प्रमुख फसलें व किस्में →

फसलें	किस्म
1. मक्का	माही - कंचन, माही - धवल, मोती कम्पोजिट, अंगेजी, गंगा, नवजोत, सविता, मेघा
2. गेहूं	- सोना - कल्याण, सोनालिका, मैक्सिकन, कोहिनूर, 3740, 3765, 3077, लालबहादुर, मंगला
3. चावल	- बासमती, सुगंधा, माही - सुगंधा, परमल, चम्बल, कावेरी,
4. सरसो	- दुर्गामणी, वरूणा, पूसा - कल्याणी, R.H - 819
5. मूंगफली	- चन्द्रा
6. जौ	- राजकिरण, ज्योति, मोल्वा
7. कपास	- बीकानेरी नरमा, नरमा, अमेरिकन अगेती
8 ज्वार	- राजस्थान चरी, CSV-10, S.V.P-245, SP-46
9. तम्बाकु	- निकोटिका टूबेकम, निकोटिना - राष्ट्रीका
चना	- सम्राट, GNG-116, RS-11
मोठ	- ज्वाला, ज्वाला, सोयाबीन - गौरव पूसा-16, पंजाब-1, T-2